स्वच्छ वार्ता
न्यूज़लेटर

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय
भारत सरकार
MINISTRY OF HOUSING AND
URBAN AFFAIRS
GOVERNMENT OF INDIA

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

विश्व पर्यावरण दिवस

विशेष संस्करण

राउंड टेबल्स

सशक्त होता स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0

विश्व पर्यावरण दिवस

गुवाहाटी के स्कूलों को मिल रहा स्वच्छ और हरित आकार

स्वच्छ टॉक्स

एपिसोड-9

महिलाओं के नेतृत्व में स्वच्छता का जश्न

तुमकुरु, कर्नाटक

गिनीज वर्ल्ड रेकॉर्ड बनाने के लिए 1.5 लाख प्लास्टिक बोतलों का इस्तेमाल किया गया।

स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 न्यूज़लेटर

RE

DUCE
USE
CYCLE

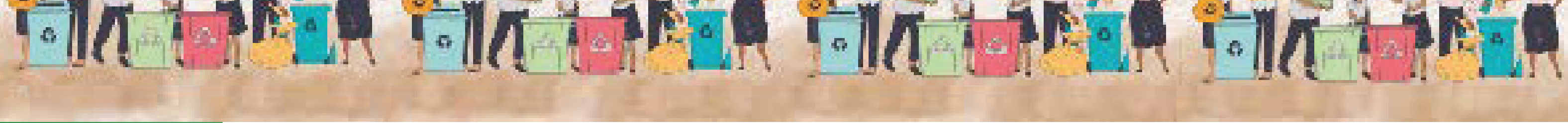

इंडेक्स

ट्रैश टेल्स
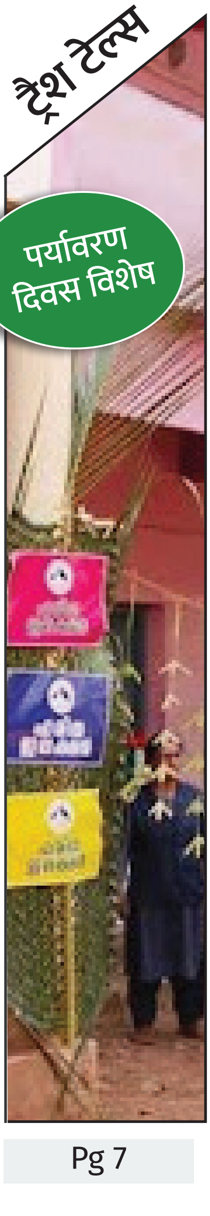
पर्यावरण दिवस विशेष
Pg 7

स्वच्छ टॉक्स
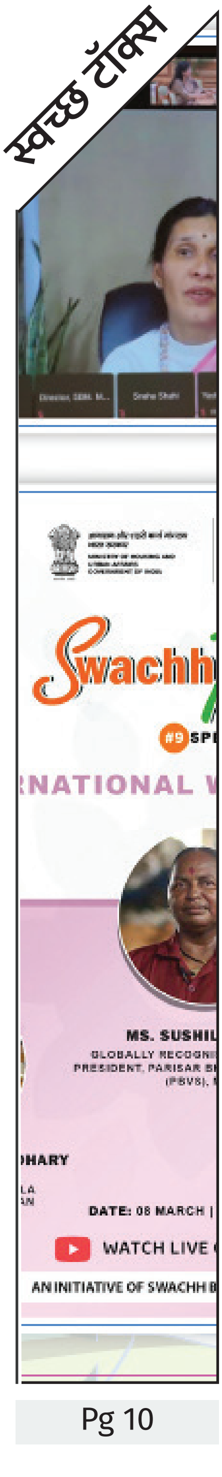
Pg 10

विश्व पृथ्वी दिवस

Pg 11

विश्व पर्यावरण दिवस

Pg 12

राउंड टेबल सीरीज
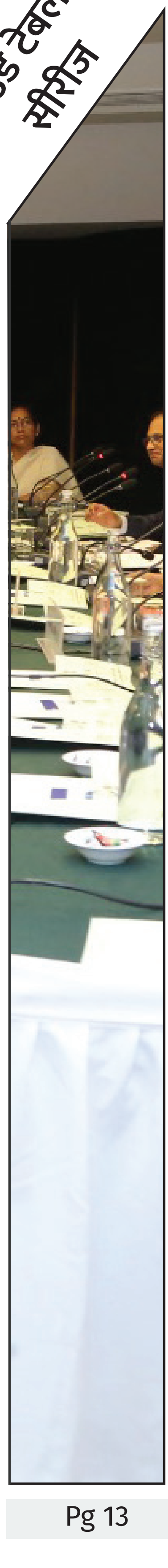
Pg 13

प्लेनरी सेशन

Pg 16

मेंस्ट्रुअल हाइजीन डे

Pg 17

शहरों की पहल

Pg 18

वीडियो स्टोरीज

Pg 20

स्वच्छता खबरों में

Pg 21

सोशल मीडिया ट्रेंड्स

Pg 22

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय
भारत सरकार

MINISTRY OF HOUSING AND
URBAN AFFAIRS
GOVERNMENT OF INDIA

सत्यमेव जयते

स्वच्छ भारत

ट्रैश टेल्स

पर्यावरण विशेष संस्करण

स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 से जुड़ी अन्य प्रेरणादायक सफल कहानियां पढ़ें

QR कोड स्कैन करें

गुवाहाटी के स्कूलों को मिल रहा स्वच्छ और हरित आकार

जीएमसी ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विभिन्न स्कूलों में स्वच्छता अभियान का सफल आयोजन किया। इसका उद्देश्य उचित अपशिष्ट प्रबंधन और बेहतर पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाकर स्थायी व्यवस्थाओं की संस्कृति को बढ़ावा देना रहा। कामरूप अकैडमी स्कूल की ओर से छात्रों को स्वच्छता का महत्व समझाने के लिए स्वच्छता अभियान चलाया। यह पहल विश्व पर्यावरण दिवस पर एक व्यापक अभियान का हिस्सा रही। 'स्कूल फॉर ए चेंज' अभियान का विषय "सशक्त भविष्य बनाना: गुवाहाटी को स्वच्छ और हरित आकार" देना है। गुवाहाटी पब्लिक स्कूल में 200 से अधिक छात्रों और शिक्षकों ने पर्यावरण चेतना के लिए हाथ मिलाया। ये पहल गुवाहाटी के विभिन्न स्कूलों में शुरू की गई।

पंजाब के कम्पोस्टिंग चैंपियन

कंपोस्टिंग को बढ़ावा देने और सस्टेनेबल अपशिष्ट प्रबंधन के लिए नागरिकों को एकजुट करने के एक ठोस प्रयास में, 26 फरवरी से 2 मार्च 2024 तक पंजाब के सभी शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) में एक सप्ताह की राज्यव्यापी पहल शुरू की गई। यह पहल खाद छानने, खाद की बिक्री और वितरण, एमएलपी/सूखा अपशिष्ट निस्तारण और इन प्रसंस्करण सुविधाओं के रखरखाव जैसी महत्वपूर्ण गतिविधियों पर केंद्रित रहा। इससे न केवल एमएलपी और सूखे कचरे का कुशलतापूर्वक प्रबंधन और बिक्री की गई, बल्कि समुदाय को खाद भी निःशुल्क उपलब्ध कराई गई। खाद की बिक्री के लिए नर्सरी, बागवानी विभाग, हाउसिंग सोसायटी और अन्य हितधारकों के साथ सहयोगात्मक प्रयास किए गए। इस अभियान को अपने आस-पास के वातावरण को स्वच्छ और समृद्ध बनाने के लिए चलाया गया। जिसको लोगों ने उत्साहपूर्वक चित्रों और बागवानी के माध्यम से और सुशोभित किया।

जमशेदपुर की ग्रीन सोसायटी

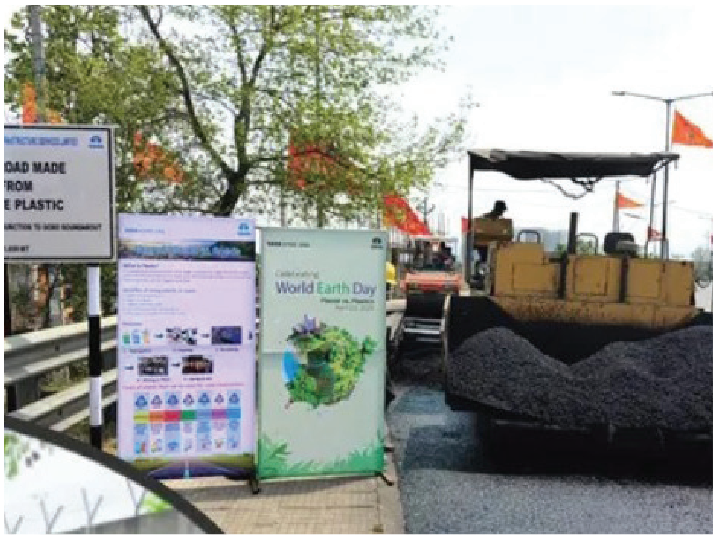

पृथ्वी दिवस 2024 पर जमशेदपुर में टाटा स्टील यूआईएसएल के रूप में अपनी पहली ज़ीरो वेस्ट सोसायटी प्रकृति विहार में पेश की। जिसको एक मील का पत्थर माना गया। इस सोसायटी में अपना बायो गैस प्लांट और प्लास्टिक रोड है, जो कि वेस्ट और वेस्ट प्लास्टिक के पुनः उपयोग का प्रमाण हैं। भारत के पूर्वी हिस्से में यह औद्योगिक केंद्र खुद को एक सस्टेनेबल अर्बन लिविंग मॉडल के रूप में स्थापित करने के प्रयास करते हुए प्रशंसनीय प्रगति कर रहा है। यह सोसायटी पर्यावरण संरक्षण के साथ बायोगैस प्लांट, पौधारोपण पहल और प्लास्टिक से सड़कों के निर्माण को दर्शाती है। यहां सूखे कचरे को पुनर्चक्रित किया जाएगा, जबकि बायोगैस सुविधा गीले कचरे को नयी ऊर्जा में परिवर्तित करेगी, जिससे लैंडफिल पर कचरे पर निर्भरता कम हो जाएगी। सड़क निर्माण कार्य में डामर सामग्री की जगह प्लास्टिक का पुनः उपयोग इस सोसायटी की प्रमुख विशेषता रही है।

जीरो वेस्ट वोटिंग बूथ

लोकसभा चुनाव 2024 में मतदाताओं को मतदान के लिए जागरूक करने के लिए चुनाव आयोग द्वारा कई तरीके अपनाए जा रहे थे। सभी प्रयासों के बीच कुछ शहरों ने एक नई पहल करते हुए मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए जीरो वेस्ट पोलिंग बूथ बना कर भी लोगों का ध्यान आकर्षित किया। केरल के एटिंगल में मतदान केंद्र ताड़ के पत्तों और लकड़ियों से सुसज्जित किया। यह मॉडल ईको-फ्रेंडली मतदान केंद्रों में से एक था। ग्रीन इलैक्शन सुनिश्चित करने के उपायों के साथ-साथ सस्टेनेबल लाइफस्टाईल के बारे में जनता के बीच जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से स्थापित किया गया। ग्रीन प्रोटोकॉल के तहत बूथ और उसके आसपास प्लास्टिक का प्रयोग करने की अनुमति नहीं थी। मतदान केंद्र में प्लास्टिक की कुर्सियों के स्थान पर लकड़ी की बेंचों का उपयोग किया गया, जबकि डिस्प्ले बोर्ड और सजावट ईको-फ्रेंडली सामग्री का उपयोग कर तैयार किया गया था। हरित कर्म सेना के सदस्यों ने कचरे के अलग-अलग संग्रह के लिए बायोडिग्रेडेबल और गैर-बायोडिग्रेडेबल कचरे के लिए हरे-नीले कूड़ेदान की भी व्यवस्था की थी।

Swachh Talks
Webinar Series
#9

महिलाओं के नेतृत्व में स्वच्छता का जश्न

8 मार्च 2024 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय ने 'स्वच्छ वार्ता' के 9वें एपिसोड की मेजबानी की, जिसका शीर्षक था 'स्वच्छता संवाद में महिलाएं'। वेबिनार में स्वच्छता के क्षेत्र से जुड़ी महिलाओं के महत्वपूर्ण योगदान पर चर्चा की गई। एसबीएम की निदेशक श्रीमती अनीता मीना के मुख्य संबोधन के बाद परिसर भगिनी विकास संघ की अध्यक्ष श्रीमती सुशीला साबले ने अपने कचरा बीनने से लेकर पर्यावरणविद बनने तक के सफर के बारे में बताया। अलबेली महिला संगठन और त्रिशिका स्वयं सहायता समूह की कार्यकारी निदेशक सुश्री प्रियंका चौधरी ने अपसाइक्लिंग और सस्टेनेबिलिटी के क्षेत्र में महिलाओं को सशक्त बनाने पर चर्चा की। सत्र का समापन यूएनईपी प्लास्टिक टाइड टर्नर चैंपियन सुश्री स्नेहा शाही द्वारा स्वच्छता पहल का नेतृत्व करने वाली एक युवा संरक्षणवादी के रूप में अपने अनुभव साझा करने के साथ हुआ।

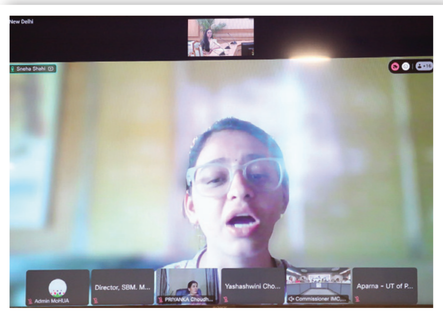

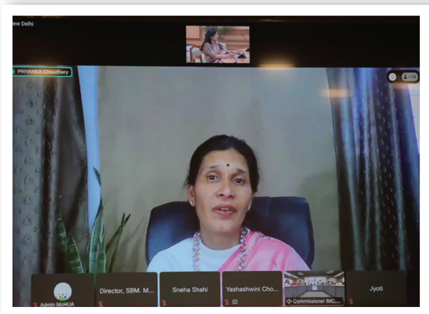

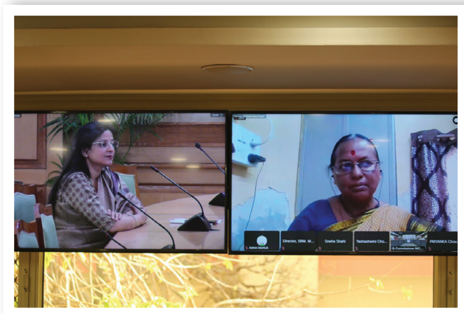

विश्व पृथ्वी दिवस

22 अप्रैल, 2024

सूरत, गुजरात

पृथ्वी दिवस 2024 मनाने के लिए स्कूली छात्रों के बड़े समूह ने गुजरात के सूरत में प्लास्टिक के हानिकारक प्रभावों को उजागर करने के लिए एक मानव श्रृंखला बनाई। इसके अतिरिक्त छात्रों ने पेड़ लगाने, सफाई अभियान चलाने और स्वच्छता के लिए रैली निकालने के साथ स्वच्छता की शपथ जैसी गतिविधियों में भाग लिया।

कुलगाम, जम्मू और कश्मीर

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम के एक स्कूल के छात्रों ने 'प्लैनेट बनाम प्लास्टिक' थीम के साथ पृथ्वी दिवस मनाया। यहां स्वच्छता रैली का आयोजन किया गया, साथ ही सार्वजनिक पार्कों और जल निकायों, विशेष रूप से नालों की सफाई कर प्लास्टिक और कचरा हटाया गया।

विश्व पर्यावरण दिवस

नवी मुंबई ने रेड एफएम रेडियो स्टेशन के साथ मिल कर गुठली रिटर्न्स अभियान के लिए लोगों को प्रेरित कर नागरिकों को आम के बीज धो कर, सुखा कर दान करने के लिए प्रोत्साहित किया गया जिससे आम के पेड़ दोबारा लगाए जा सकें। इस पहल से अब तक 25,000 से अधिक आम की गुठलियां एकत्र किए जा चुके हैं।

राजस्थान के दो वार्डों में 220 से अधिक नागरिकों ने लगभग 500 पौधे लगाकर विश्व पर्यावरण दिवस मनाया। इसके अतिरिक्त, एक पार्क में 'वेस्ट टू वंडर' कलाकृति भी स्थापित की गई।

विश्व पर्यावरण दिवस की थीम 'भूमि पुनर्स्थापन, मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने की क्षमता' के अनुरूप, स्वच्छ आंध्र निगम ने एक जागरूकता रैली आयोजित की और पौधे लगाए।

राउंड टेबल्स

सशक्त होता स्वच्छता भारत मिशन-शहरी 2.0

172 संस्थानों ने 17 सत्रों में लिया भाग

900 प्रतिभागियों के साथ विशेषज्ञ हुए शामिल

12 घंटों का विचार-मंथन सत्र

स्वच्छ भारत मिशन के 10वें वर्ष के अवसर पर मिशन ने 8 से 15 मई 2024 के दौरान भारत में शहरी अपशिष्ट प्रबंधन क्षेत्र के लिए राज्यों, यूएलबी अधिकारियों, निजी क्षेत्र के संगठनों, गैर सरकारी संगठनों/सीएसओ, तकनीकी विशेषज्ञों, उद्योगों और क्षेत्र के विशेषज्ञों के प्रतिनिधियों को शामिल करते हुए हितधारक परामर्श के कई दौर आयोजित किए। राउंड टेबल का समापन क्रमशः 16 और 17 मई को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और प्रयुक्त जल प्रबंधन के लिए प्लेनेरी सेशन में हुआ। इसका उद्देश्य स्वच्छता के क्षेत्र में एक कदम आगे बढ़कर 'कचरा मुक्त भारत' को बढ़ावा देना है।

ROOPA MISHRA
DR. V.K. CHAURASIA
JOINT ADVISER (PHEE) CPHEEO
SHRI. BINAY KR. JHA
DIRECTOR, SBM-U

ANITA MEENA
BINAY KUMAR JHA
ROOPA MISHRA
V.K CHAURASIA

राउंड टेबल

सशक्त होता स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0

राउंड टेबल-1
म्युनिसिपल सॉलिड वेस्ट प्रबंधन में विश्व की सर्वोत्तम प्रथाएँ

राउंड टेबल-2
भारत में अपशिष्ट प्रबंधन में सुधार

राउंड टेबल-3
अपशिष्ट प्रबंधन

राउंड टेबल-4
रीसाईक्लेबल्स मैनेजमेंट

राउंड टेबल-5
सीएंडडी वेस्ट प्रबंधन

राउंड टेबल-6
नॉन रीसाइक्लेबल्स

राउंड टेबल-7
अस्वीकृत कचरे को संभालना, साइंटिफिक इंजीनियर्ड लैंडफिल

राउंड टेबल-8
लेगेसी डंपसाईट का निपटान

राउंड टेबल-9
गीले कचरे का प्रबंधन

राउंड टेबल-10
मिलियन प्लस सिटीज़

राउंड टेबल-11
इंडस्ट्री

राउंड टेबल-12
सेफ सैनिटेशन

राउंड टेबल-13
प्रयुक्त जल प्रबंधन

राउंड टेबल-14
बायोसॉलिड

राउंड टेबल-15
सफाईमित्र सुरक्षा

प्लेनेरी सेशन

एसबीएम-यू 2.0 को सशक्त करने के लिए राउंड टेबल सिरीज़

पहला दिन

16 मई, 2024 को, श्रीमती रूपा मिश्रा, एसबीएमयू, एमओएचयूए की संयुक्त सचिव और मिशन डायरेक्टर ने राउंड टेबल सीरीज़ की अध्यक्षता की। सत्र का पहला दिन अपशिष्ट प्रबंधन, पुनर्चक्रण योग्य, गैर-पुनर्चक्रण योग्य सी एंड डी अपशिष्ट, साइंटिफिक लैंडफिल डंपसाइट, गीला कचरा, मिलियन प्लस शहर और उद्योग की चर्चा पर केंद्रित रहा।

दूसरा दिन

17 मई, 2024 को राउंड टेबल सीरीज़ के प्लेनेरी सेशन के दूसरे दिन, MoHUA के अधिकारी, राज्य और शहर के प्रतिनिधि, उद्योग विशेषज्ञ, तकनीकी संस्थान और अन्य प्रतिनिधि उपस्थित हुए। सेफ सैनिटेशन, प्रयुक्त जल प्रबंधन, बायोसॉलिड्स और सफाई मित्र सुरक्षा के लिए विचार-विमर्श और सिफारिशें चर्चा के मुख्य आकर्षण के केंद्र बने।

मैन्सट्रुअल हाइजीन डे

28 मई, 2024

चंडीगढ़

मैन्सट्रुअल हाइजीन डे पर चंडीगढ़ नगर निगम ने पिंक एमआरएफ सेंटर में सैनिटरी अपशिष्ट प्रबंधन पर एक प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया, जहां कर्मचारियों ने सैनिटरी अपशिष्ट को अलग-अलग करने के महत्व को सीखा, जिससे स्वच्छ और हरित भारत में योगदान दिया जा सके।

इंदौर

सैनिटरी अपशिष्ट प्रबंधन के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए इंदौर नगर निगम ने महिला निवासियों को डोर-टू-डोर कलेक्शन वाहन में तीसरे बिन के उपयोग के बारे में समझाया। निवासियों को इस्तेमाल किए गए डायपर और सैनिटरी पैड को कागज में लपेटकर पीले रंग के बिन में डालने के बारे में बताया गया।

आगरा

आगरा ने मासिक धर्म स्वच्छता दिवस पर 'सेफ्टी इंक अभियान' शुरू किया, जिसमें युवा लड़कियों को सैनिटरी कचरे के अनुचित तरीके से निपटान के खतरनाक प्रभावों के बारे में शिक्षित किया गया। अभियान ने सैनिटरी कचरे को अलग करने और उचित तरीके से निपटान करने के तरीके पर चर्चा की शुरुआत भी की।

<<

इंदौर, एमपी

शहर के राजदूत के नेतृत्व में इंदौर के 'मैं हूं झोलाधारी इंदौरी' अभियान ने परदेशीपुरा निवासियों से सिंगल यूज़ प्लास्टिक की जगह कपड़े के थैलों का उपयोग करने का आग्रह किया गया, जिससे पर्यावरण के प्रति जागरूक आदतों को बढ़ावा मिले।

>>

चंडीगढ़

फरवरी 2024 में लॉन्च किया गया चंडीगढ़ का 300 टीपीडी कंपोस्टिंग प्लांट 2.5 एकड़ में फैला है, जिसमें प्री-सॉर्टिंग, ट्रॉमेल्स, विंडरो कंपोस्टिंग शेड और लीचेट ट्रीटमेंट की सुविधा उपलब्ध है।

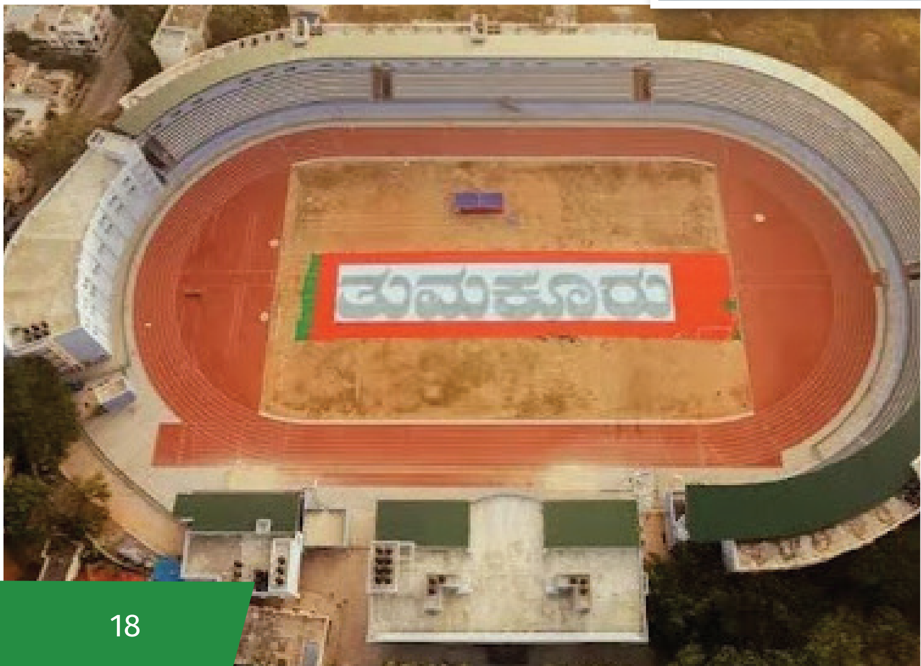

<<

तुमकुरु, कर्नाटका

कर्नाटक के तुमकुरु शहर ने सिंगल यूज़ प्लास्टिक के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने के लिए 1.5 लाख इस्तेमाल की गई प्लास्टिक की बोतलों से 'तुमकुरु' लिखकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड हासिल किया।

शहरों की पहल

<<

सूर्यपिट, तेलंगाना

तेलंगाना में, सूर्यपेट यूएलबी ने ट्यूलिप इंटर्न के साथ मिलकर सद्धाला तालाब में 'झील स्वच्छता अभियान' चलाया, जिसका उद्देश्य संत सेवालाल निरंकार संस्थान के सहयोग से प्लास्टिक प्रदूषण से निपटना था।

>>

महाराष्ट्र

महाराष्ट्र में, छात्रों और वरिष्ठ नागरिकों ने मदर्स डे मनाने के लिए बांद्रा के कार्टर रोड पर समुद्र तट की सफाई अभियान के लिए हाथ मिलाया, जो हर साल 12 मई को मनाया जाता है।

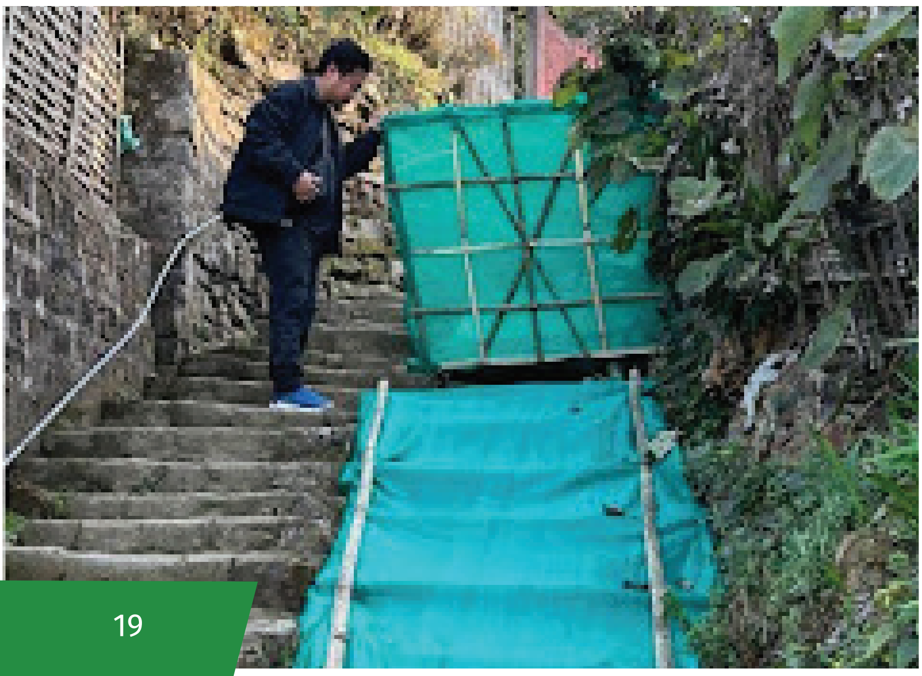

<<

नागालैंड

नागालैंड के मोकोकचुंग यूएलबी में अरकोंग वार्ड समुदाय ने ठोस कचरे को नालियों में गिरने से रोकने के लिए सभी नालियों को कपड़े से ढक कर स्वच्छता अभियान में योगदान दिया।

वीडियो – शहरी स्वच्छता की कहानियां

उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में पुष्प अपशिष्ट की रीसाइक्लिंग

स्थायित्व की ओर अग्रसर दिल्ली

सुरक्षित स्वच्छता पर चंडीगढ़ की स्वच्छता सेवी के विचार

स्वच्छ वार्ता
न्यूज़लेटर

स्वच्छता खबरों में

कबाड़ बसों में बनाया मोबाइल पिंक टॉयलेट

वाहन में फूड कोर्ट भी, मिलेगा खाने-पीने का सामान

हिमांशु देव@पटना

पटना नगर निगम ने शहर में पहली बार महिलाओं के लिए मोबाइल पिंक टॉयलेट की सुविधा उपलब्ध करायी है. इसमें एक बस में ही महिलाओं के सारी सुविधाओं का इंतजाम किया गया. दो पिंक टॉयलेट का शुभारंभ भी कर दिया गया है. इसका उपयोग सिर्फ महिलाएं ही कर सकेंगी. वहीं, इसका संचालन भी महिलाओं द्वारा किया जा रहा है, जबकि, साफ-सफाई का जिम्मा स्वच्छाग्रिनी महिलाओं को दिया गया है. ये मोबाइल पिंक टॉयलेट कबाड़ बसों को ठीक कर बनाये गये हैं. बस के अंदर चार्जिंग प्वॉइंट, बेसिन, फैन की भी सुविधा मिलेगी. साथ ही इसमें विभिन्न टॉयलेट के साथ खाने-पीने की सुविधा उपलब्ध करायी गयी है. हालांकि, अभी दो ही शौचालय का शुभारंभ किया गया है. इसका उपयोग सिर्फ महिलाएं ही कर सकेंगी.

नगर निगम ने खास तरीके से बसों में पिंक टॉयलेट को तैयार कराया है. इन बसों को ऐसी जगह पर रखा जाएगा जहां महिलाओं का आना-जाना ज्यादा होता है. खास बात यह है कि पिंक टॉयलेट में सेनेटरी नैपकिन और वेंडिंग मशीन की भी व्यवस्था दी गयी है. इससे गंदगी नहीं फैलेगी और महिलाओं को विशेष सुविधा भी मिलेगी. इसके अलावा बसों में खाने-पीने की भी सुविधा उपलब्ध है. वाहन के पिछले हिस्से में फूड कोर्ट बना है. जहां फास्ट फूड के साथ कॉफी, दूध, बिस्किट व अन्य खाने-पीने का सामान मिलेगा. हालांकि, इसमें प्रवेश सिर्फ महिलाओं को ही मिलेगी. इन बसों को खास प्रोग्राम या खास इवेंट के बाहर भी खड़ा किया जायेगा. हालांकि, सबसे पहले इस बस को दीघा घाट नंबर 93 के पास शुक्रवार को वोटिंग की अपील के साथ शुरू हुई इंडियन वोटर लीग में लगाया गया है.

चुनाव में मॉडल बूथ पर होगा खड़ा

पटना में एक जून को लोकसभा चुनाव के लिए मतदान होना है. राज्य सरकार द्वारा कराये गये जाति आधारित गणना के अनुसार पटना नगर निगम क्षेत्र की आबादी 18 लाख 44 हजार 303 है. इसमें आठ लाख से अधिक महिलाओं की संख्या है. इसमें सबसे अधिक ... अंचल में एक लाख 75 हजार महिलाएं हैं. ऐसे में बड़ी संख्या में महिलाएं बूथ पर पहुंचेंगी. मॉडल बूथ पर मोबाइल पिंक टॉयलेट को रखा जाना है, ताकि महिलाओं को कोई समस्या न हो. हालांकि, जिन मतदान केंद्रों पर भेजा जाना है, इसका अभी चुनाव नहीं किया गया है.

क्या होता है पिंक टॉयलेट

पिंक टॉयलेट का इस्तेमाल केवल महिलाएं, लड़की और बच्चियां ही कर सकती है. महिलाएं इसे आसानी से पहचान सके, इसके लिए पिंक रंग से रंगा गया है. इसके साथ ही हेल्पलाइन बोर्ड भी लगा होता है. इसके अलावा शौचालय के बाहर बैठने की भी व्यवस्था होती है. हालांकि, पटना नगर निगम के टॉयलेट पर चकाचक पटना भी लिखा गया है. इसके साथ ही बस में स्लोगन 'हर महिला, हर दिन, स्वच्छ रहे, स्वस्थ रहे' लिखा है. बताया जाता कि दीघा घाट नंबर 93 के पास लगाये गये दोनों गुलाबी शौचालय का फीडबैक सही रहा तो निगम अगले कुछ महीनों में सभी अंचलों में ऐसी व्यवस्था करेगा.

बस में मिलेंगी ये सुविधाएं
- पश्चिमी शैली शौचालय
- भारतीय शैली शौचालय
- सार्वजनिक महिला शौचालय
- फूड कोर्ट
- वॉश बेसिन
- चाइल्ड डे केयर

पृथ्वी दिवस पर विशेष | स्कूलों में विद्यार्थी अपना रहे पर्यावरण के अनुकूल आदतें, धनास के गवर्नमेंट मॉडल स्कूल सहित अन्य स्कूलों ने दिया हरियाली फैलाने का संदेश

कोल्ड ड्रिंक की बोतलों में पौधे उगाकर प्रकृति को बचा रहे विद्यार्थी

माई सिटी रिपोर्टर

चंडीगढ़। कोल्ड ड्रिंक की बोतलों आदि अपशिष्ट चीजों में पौधे उगाकर और जैविक खेती करके बच्चे प्रकृति को सुरक्षित रखने में अपना योगदान दे रहे हैं। पृथ्वी के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए स्कूलों में विद्यार्थियों की ओर से विभिन्न तरह की गतिविधियों को अपनाया जा रहा है।

धनास के गवर्नमेंट मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में टीन, प्लास्टिक के लिफाफों में पौधे उगाए गए हैं। इसके अलावा स्कूल में दीवार पर प्लास्टिक की बोतलों में पौधे लगाए हैं जो बिल्डिंग की खूबसूरती बढ़ाने के साथ अपशिष्ट पदार्थों के उत्तम उपयोग का उदाहरण है। सेक्टर-54 के गवर्नमेंट हाई स्कूल, सेक्टर-49 के गवर्नमेंट मॉडल हाई स्कूल में दीवार पर बोतलों में पौधे लगाकर वर्टिकल गार्डनिंग की गई है। पौधरोपण के साथ विद्यार्थियों को स्कूल में खाद बनाने, सब्जियां उगाने की प्रक्रिया में शामिल किया जा रहा है। जीएचएस-54 में बच्चों ने इलेक्ट्रिक वेस्ट को एकत्र कर ... निस्तारण प्रक्रिया को ... सेक्टर-35 स्थित गवर्नमेंट मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में प्रदीप त्रिवेणी ... स्कूल में ...

पौधरोपण, सब्जियों को पानी देने, गुड़ाई करने और खाद बनाने की प्रक्रिया में भाग लेते हैं। त्रिवेणी ने बताया वह स्कूल में पत्तों से खाद बनाते हैं और सीजनल सब्जियां उगाते हैं। उनमें कीट हमला न करें इसलिए नीम के पत्ते का कीटनाशक डालते हैं और फंगस न लगने के लिए खट्टी लस्सी में पानी मिलाकर पौधों में डालते हैं। होली के समय बच्चों ने पालक ... आदि पौधों ...

शहर के स्कूलों में प्लास्टिक की बोतलों में लगाए गए पौधे। एक स्कूल में पौधों का रखरखाव करते विद्यार्थी। अमर उजाला

'Garbage-free polls' a success in Kerala

TRIVANDRUM: Kerala has set a model for India by implementing "green protocol" and strictly following prescribed waste disposal methods during the national election season.

The world's largest elections began on April 19 and were staggered into seven phases. The southern state voted in the second phase on Friday.

The state's authorities responsible for disposing of the refuse said they had "successfully achieved" the 'garbage-free polls' target in all 20 constituencies.

Suchitwa Mission, the state's sanitation authority, had published procedures to be followed strictly by campaigners and election officials before electioneering commences.

Right from the start of the campaign, all stakeholders used recycled materials, and they drastically restricted single-use materials, including plastics.

Soonafter the campaign concluded, the ... tation workers collected the leftover cam... materials from their source and handed ... over to scientific disposal centres.

Steps have also been taken to ensur... polling. In the state capital, Trivandru... toilets have been set up in places w... polling stations.

All polling stations in the state u... tronic voting machines with a voter... paper audit trail (VVPAT), which w... to high-security strongrooms until ... ing on June 4.

Activities have also begun ...

... Mission had published ... strictly by ...

Nodal officers have been appointed in Palakkad to monitor the activities of HKS members on a constituency basis.

The green protocol topic was also included ... for polling officers in the district. ... Mission coordinated ... the ... activists.

Garbage vans to collect sanitary & hazardous waste in red, black bags

Munieshwer.Sagar
@timesgroup.com

Chandigarh: Red and black bags will now be used for the collection of sanitary and hazardous waste in the city. The door-to-door garbage collection vehicles will be equipped with red bags for collection of sanitary waste and black bags for the collection of hazardous waste.

Earlier, bins were being used for the collection, but these were found to be inadequate for the purpose.

"As the municipal corporation is moving towards 100% collection of segregated waste, a new initiative has been launched. Brightly coloured red durable bags have been attached to the garbage collection vehicles. This will be launched on the International Menstrual Hygiene Day later this month. Later, black bags will be introduced," said sources.

As per Solid Waste Management Rules 2016, the citizens and urban local bodies are mandated to collect waste segregated in at least four streams — dry waste, ...

The red bags for sanitary waste will be introduced on May 28

WASTE PROCESSING PLANT

To set up an integrated solid waste processing plant, the MC has cleared technical bids of two companies. On Tuesday, the MC submitted the same with the UT administration's high-powered committee. "The committee will decide on opening of the financial bids. After the opening of the bids, the allotment of the work can be done. But for the completion of the tendering process during the model code of conduct can only be done after approval of the Election Commission, or it will be done after MCC is revoked," said sources. This is the third time MC had floated tender for the ambitious project.

"The city is aiming to achieve 100% segregation ... source ...

Times View

Sanitary waste segregation has to go hand in hand with the steps taken pan-India to focus on menstrual hygiene. While the separate bags for collection of sanitary waste is a good move, the users too should dispose of menstrual waste and diapers properly. It also cannot be emphasized enough how important it is to discard needles and syringes properly to avoid harm and infection to handlers; and complete segregation will ensure this.

segregation of sanitary waste and hazardous waste. To encourage people to segregate these more effectively, the MC will be take some steps, sources said, adding, a campaign will be started from International Menstrual Hygiene Day (May 28).

"Firstly, all garbage collectors shall be reoriented to assimilate ...

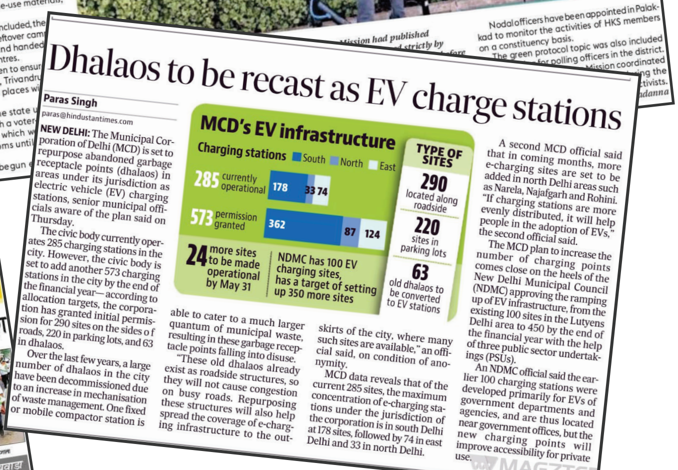

Dhalaos to be recast as EV charge stations

Paras Singh
paras@hindustantimes.com

NEW DELHI: The Municipal Corporation of Delhi (MCD) is set to repurpose abandoned garbage receptacle points (dhalaos) in areas under its jurisdiction as electric vehicle (EV) charging stations, senior municipal officials aware of the plan said on Thursday.

The civic body currently operates 285 charging stations in the city. However, the civic body is set to add another 573 charging stations in the city by the end of the financial year— according to allocation targets, the corporation has granted initial permission for 290 sites on the sides of roads, 220 in parking lots, and 63 in dhalaos.

Over the last few years, a large number of dhalaos in the city have been decommissioned due to an increase in mechanisation of waste management. One fixed or mobile compactor station is able to cater to a much larger quantum of municipal waste, resulting in these garbage receptacle points falling into disuse.

"These old dhalaos already exist as roadside structures, so they will not cause congestion on busy roads. Repurposing these structures will also help spread the coverage of e-charging infrastructure to the outskirts of the city, where many such sites are available," an official said, on condition of anonymity.

MCD data reveals that of the current 285 sites, the maximum concentration of e-charging stations under the jurisdiction of the corporation is in south Delhi at 178 sites, followed by 74 in east Delhi and 33 in north Delhi.

A second MCD official said that in coming months, more e-charging sites are set to be added in north Delhi areas such as Narela, Najafgarh and Rohini. "If charging stations are more evenly distributed, it will help people in the adoption of EVs," the second official said.

The MCD plan to increase the number of charging points comes close on the heels of the New Delhi Municipal Council (NDMC) approving the ramping up of EV infrastructure, from the existing 100 sites in the Lutyens Delhi area to 450 by the end of the financial year with the help of three public sector undertakings (PSUs).

An NDMC official said the earlier 100 charging stations were developed primarily for EVs of government departments and agencies, and are thus located near government offices, but the new charging points will improve accessibility for private use.

MCD's EV infrastructure

Charging stations: South, North, East

	South	North	East
285 currently operational	178	33	74
573 permission granted	362	87	124

24 more sites to be made operational by May 31

NDMC has 100 EV charging sites, has a target of setting up 350 more sites

TYPE OF SITES
- 290 located along roadside
- 220 sites in parking lots
- 63 old dhalaos to be converted to EV stations

MAGZTER

सोमवार • 08.04.2024 | चंडीगढ़ | amarujala.com/chandigarh | अमर उजाला | 06

हम लोग

डॉक्टरों-कर्मचारियों ने की पीजीआई में कदमताल, दिया स्वच्छता का संदेश

माई सिटी रिपोर्टर

चंडीगढ़। पीजीआई में स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत रविवार को स्वच्छता वॉकथॉन का आयोजन किया गया। इसमें संस्थान के डॉक्टर, प्रशासनिक अधिकारी, पैरामेडिकल स्टाफ समेत अन्य कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी की। स्वच्छता पखवाड़ा के तहत अस्पताल प्रशासन विभाग द्वारा आयोजित 'आइए मिलकर सफाई करें' थीम पर स्वच्छता का संदेश देते हुए वॉकथॉन का समापन शानदार तरीके से हुआ। इसमें स्वच्छता को एक साझा सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में महत्व दिया गया और संस्थान की सीमाओं से परे प्रयासों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया।

नहीं पहुंच सके निदेशक, भेजा संदेश

पीजीआई के निदेशक प्रो. विवेक लाल ने अपने संदेश में इस पहल के लिए अपना समर्थन व्यक्त करते हुए कहा कि हालांकि मुझे आज स्वच्छता वॉकथॉन में शामिल न हो पाने का अफसोस है, लेकिन मैं इस महत्वपूर्ण पहल के लिए अपना पूरा समर्थन देता हूं। स्वच्छता बनाए रखना हमारी भलाई के लिए महत्वपूर्ण है, और स्वच्छ पीजीआई को बढ़ावा देने में भाग लेने वाले सभी लोगों की सराहना करता हूं।

पीजीआई में स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित स्वच्छता वॉकथॉन में हिस्सा लेते कर्मचारी। अमर उजाला

स्वच्छता अभियान में हिस्सा लेते प्रतिभागी। अमर उजाला

... से 15 अप्रैल तक चलेगा पखवाड़ा

दैनिक नवज्योति | Nagaur - 16 May 2024

सफाई कार्मिक का अभिनंदन कर मनाया जन्मदिन

मेड़तासिटी। पालिका में बुधवार को पालिका अधिशासी अधिकारी पवन मीणा ने अनूठी पहल करते हुए नगर पालिका सफाई कर्मचारी रामअवतार गुजराती के जन्म दिन उनको माला-साफा पहनाकर एवं केक कटवा गया। इस मौके पर पालिका कनिष्ठ अभियंता सरफराज अंसारी, स्वच्छ भारत मिशन इंजीनियर कैलाश गहलोत, वरिष्ठ लिपिक अशोक मेघवाल, कनिष्ठ सहायक राजेश सोलंकी, पार्षद विजयराज सांखला, पार्षद रामचन्द्र नायक, पार्षद प्रतिनिधि गजेन्द्र सिंह आदि मौजूद रहे।

विद्यार्थियों ने सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने की ली शपथ

माई सिटी रिपोर्टर

चंडीगढ़। सेक्टर-31 स्थित केंद्रीय विद्यालय में सोमवार को मिशन लाइफ के तहत नो सिंगल यूज प्लास्टिक और माइक्रोप्लास्टिक के हानिकारक प्रभाव पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। विद्यार्थियों और शिक्षकों ने एक बार उपयोग में आने वाली प्लास्टिक का इस्तेमाल न करने की शपथ ली।

इस दौरान प्लास्टिक की बोतल, प्लास्टिक टिफिन और प्लास्टिक बैग न लाने की आदत डालने वाली पूरी कक्षाओं को पुरस्कृत किया।

पीजीटी शिक्षक अशोक कुमार ने बच्चों को अपने दैनिक जीवन में प्लास्टिक की बोतल, टिफिन बॉक्स, खाद्य रैपर और प्लास्टिक कैरी बैग जैसी एकल उपयोग वाली प्लास्टिक सामग्री का उपयोग बंद करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने रिफ्यूज, रिड्यूस, रीयूज, रिसाइकल, रिपेयर, री गिफ्ट के बारे में बताया।

विद्यार्थियों ने नारा लेखन, पोस्टर निर्माण, कागज-कपड़े के थैले बनाने की प्रतियोगिता में भाग लिया। बच्चों ने अपने स्कूल और समाज को प्लास्टिक मुक्त बनाने का वादा किया। उप प्रधानाचार्य सुरेश कुमार यादव ने बच्चों को ऐसी किसी भी प्लास्टिक सामग्री का उपयोग न करने के लिए प्रेरित किया, जो मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए हानिकारक हैं।

सेक्टर-31 स्थित केंद्रीय विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी। संवाद

स्वच्छ वार्ता
न्यूज़लेटर

सोशल मीडिया ट्रेंड्स

Swachh Bharat Urban
@SwachhBharatGov

विद्यालय में छात्र-छात्राओं को स्वच्छता के प्रति दी जाने वाली शिक्षाएं #SwachhBharat को नई दिशा देंगी।

@GzbNagarNigam द्वारा BR पब्लिक स्कूल में 'स्वच्छता की पाठशाला' के तहत स्कूली विद्यार्थियों को वेस्ट सेग्रीगेशन और उसके महत्व की जानकारी देना एक सराहनीय पहल है।

Translate post

Swachh Bharat Urban reposted
Municipal Corporation Chandigarh
@MCChandigarh

Swachh Mahila Divas!

Municipal Corporation acknowledges city women for their relentless efforts and outstanding commitment to community betterment.

Swachh Bharat Urban and 2 others

Swachh Bharat Urban
@SwachhBharatGov

A round table discussion convened with thematic experts and technical agencies on global best practices in municipal solid waste to enhance waste management in India.

World Bank and 9 others

sbmurbangov

14 likes
sbmurbangov Kudos to the collective efforts of @official_cisf personnel from SPM Narmadapuram and

sbmurbangov

30 likes
sbmurbangov Commending @pcmc_pimprichinchwad for their impactful "School of Cleanliness" initiative, engaging students in a cleanliness rally and oath-taking for

sbmurbangov

11 likes
sbmurbangov @amrutcitygzb टीम द्वारा स्वच्छ वार्ड रैंकिंग के लिए विभिन्न संस्थानों (स्कूल, होटल, RWA, सरकारी ऑफिस, मार्केट , हॉस्पिटल) का सर्वे किया गया जिसमे संस्थानों में टीम द्वारा कूड़े के पृथक्करण , सफाई व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था, शौचालय, कम्पोस्टिंग ईत्यादि बिंदुओं पर सर्वे किया गया

Swachh Bharat Mission - Urban
23 Apr 2022

'Clean-Up Kanpur' initiative was launched at the #ParmaGhat, #Kanpur in a #Swachh campaign conducted by GIZ India. By eliminating the dumping of plastic into River #Ganga & escalating the city's cleanliness drives, Kanpur Municipal Corporation is working towards the vision of #SwachhBharat.

Ministry of Housing and Urban Affairs Hardeep Singh Puri Manoj Joshi PMO India MyGovIndia Amrit Mahotsav Swachh Survekshan Press Information Bureau - PIB, Government of India

Swachh Bharat Mission - Urban
12 Apr 2022

The #waste to wonder drive of #Jabalpur municipal corporation has ensured wonders in improving the city's aesthetics. Thematic... See more

39

Like Comment Send Share

Swachh Bharat Mission - Urban
21 Apr 2022

#Janbhagidari is crucial for achieving the vision of #GarbageFreeCities. Bhubneswar Municipal Corporation has shown some praise-worthy efforts by carrying out #cleanliness and awareness drives in the slums of #Bhubaneswar. With the help of citizens, the city is advancing under the goals of #SBM - U 2.0.

Ministry of Housing and Urban Affairs Hardeep Singh Puri Manoj Joshi PMO India MyGovIndia Amrit Mahotsav Swachh Survekshan Press Information Bureau - PIB, Government of India

स्वच्छ वार्ता न्यूज़लेटर के पिछले संस्करण पढ़ने के लिए

QR कोड स्कैन करें और पढ़ें!

ENGLISH

HINDI

स्वच्छ भारत मिशन पर ज्यादा जानकारी के लिए

हमें फॉलो करें

Swachh Bharat Mission – Urban | @SwachhBharatGov | sbm_urban | Swachh Bharat Urban | swachh-bharat-urban